International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN :2581-9925, Impact Factor: 7.555, Volume 07, No. 01(I), January- March, 2025, pp. 29-32

ग्रामीण पर्यटन की राजस्थान की अर्थव्यवस्था में भूमिका

कैलाश चन्द्र मीना*

सार

पर्यटन देश के आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का एक महत्त्वपूर्ण कारक है। पर्यटन भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व में अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाला सबसे बड़ा उद्योग है। पर्यटन एक ऐसा साधन है जो न केवल आर्थिक विकास में सहायक होता है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी मजबूती प्रदान करता है। जब लोग एक दूसरे के देशों और संस्कृतियों का अनुभव करते हैं, तो वे एक–दूसेर के प्रति सहानुभूति और समझ विकसित करते है। अर्थात पर्यटन व्यवसाय के साथ साथ शांतिपूर्ण वातावरण बनाने में भी सहयोग देता है।

शब्दकोशः *पर्यटन, आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, अर्थव्यवस्था, वातावरण।*

प्रस्तावना

पर्यटन शब्द का अंग्रेजी रुपान्तरण ट्यूरिज्म है। जिसका तात्पर्य है, मानव का एक स्थान से दूसर स्थान की अस्थायी रूप से यात्रा प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्त्विक प्रसिद्ध स्थलों की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से की गयी यात्रा ही पर्यटन है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन ने इस वर्ष विश्व पर्यटन दिवस की थीम 'टूरिज्म एण्ड पीस' रखी है। यह थीम सम्पूर्ण विश्व के लिए महत्त्वपूर्ण संदेश लेकर आयी है। पर्यटन के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों का आदान–प्रदान हो रहा है। जब पर्यटक किसी नए देश में जाते हैं तो वहाँ की परम्पराओं रीति–रिवाजों और जीवनशैली को समझते है। इससे उनकी सोच एवं विचारों में परिवर्तन होता है उन सभी देशों के बीच आपसी संबंध मजबूत होते हैं, और सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण होता है।

राजस्थान में पर्यटन एक दृष्टि

राजस्थान हमारे देश में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है।यह देश के उत्तर–पश्चिम भाग में स्थित है, राजस्थान की औधोगिक पृष्ठभूमि, प्राकृतिक दृश्य आकर्षक परिवेश, लहराते रेत के धोरे बहते झरने, इठलाती बहती नदियां, विशाल प्राकृतिक धरोहरे ऐतिहासिक तथ्य व बलिदानों से अभिभूतराजस्थान की वीर भूमि अनेक अदभूत आकर्षक पर्यटन स्थल पर्यटकों को बार–बार यहाँ की यात्राऐं करने के लिए लालायित करते हैं। राजस्थान कला एवं संस्कृति का घर है। यहाँ ऐतिहासिक पर्यटन के अन्तर्गत बहुत से किले, महल हवेलियाँ, दुर्ग अपने अपने गौरवमयी इतिहास की कहानी बताते है। यह पर्यटकों को सहज आकर्षित करते हैं। जिससे उनके

* सहायक आचार्य, व्यावसायिक प्रशासन, स्व. राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बाँदीकुइ, दौसा, राजस्थान।

प्रतिजन समाज की गहरी भावात्मक आस्था पायी जाती है। समाज को सांस्कृतिक एकताके सूत्र में पिरोने का काम पर्यटन के द्वारा ही किया जाता है।

राजस्थान पर्यटकों का पसंदीदा राज्य बन गया है।अबविदेशी पर्यटक जब पर्यटन के लिए भारत देश में घूमने आता है तो सर्वप्रथम राजस्थान में घूमने आते हैं। राजस्थान हैरिटेज, ट्यूरिज्म मेडिकल एडवेन्चर, इको बैकिंग, विलेज, ज्योग्राफिक सांस्कृतिक, वातावरण, ट्रेन ट्यूरिज्म इत्यादि विशेषताओं के कारण देशी एवं विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद राजस्थान है।पर्यटन की दृष्टि से राजस्थन में पर्यटक यात्रा करने, मनोरजंन सांस्कृतिक तथा रीति–रिवाजों की विवेचना करने वाला है। पर्यटन से सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण भी होता है।

राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन

वर्तमान समय में पर्यटक राजस्थान घूमने के साथ यहाँ की संस्कृति, संस्कार और खान–पान की कला सीखने आ रहे है। पर्यटको के बदलते इस क्रेज को देखते हुए अब दूर–आपरेटर्स ने भी अपने टूर–पैकेज में बदलाव किया है। ज्यादातर टूर ऑपरेटर्स ने विदेशी पर्यटकों के पैकेज में ग्रामीण पर्यटन को भी शामिल किया है। अब देश–विदेश के पर्यटक राजस्थान के जयपुर में आमेर महल, हवामहल, जंतर मंतर अल्बर्ट हॉल इत्यादि प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के साथ–साथ ग्रामीण पर्यटक के रुप में अब शाहपुरा, कानोता, अचरोल, हलीला– बिसन गढ, चाकसू माधोगढ़, दूदू और फागी जैसे स्थान पर ठहरना व घूमना पसंद कर रहे है। ग्रामीण पर्यटन का ट्रेंड जयपुर, शोखावटी एवं आस–पास अनेक प्रसिद्ध स्थलों पर पर्यटको के बढते रुझान के कारण पर्यटन उद्योग को लाभ हो रहा है। साथ ही पर्यटकों के इस नये ट्रेंड से ग्रामीण पर्यटन को एक नई दिशा मिल रही है। और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे है।

शहरों की बिगडी आबोहवा, भीडभाड औरट्रेफिक जाम से स्थानीय लोग ही नहीं देशी–विदेशी पर्यटक भी परेशान है। इसी का परिणाम है कि जयपुर घूमने आने वाले करीब 30 प्रतिशत पर्यटक शहर की बजाय आस–पास के इलाकों की होटल्स व रिसोटर्स में ठहरना पसंद कर रहे हैं। यह ट्रेड पिछले दो–तीन साल में देखने को मिला है। ऑक्सीजोन के तौर पर विकसित की गई इन जगहों पर विकसित की गयी है। इन जगहों पर साफ–सुथरी हवा और शांत वातावरण मिलता है। इतना ही नहीं है यहाँ पर ग्रामीण परिवेश एवं संस्कृति और रीति–रिवाजों एवं परम्पराओं से भी पर्यटक रूबरू हो रहे हैं। साथ ही ग्रामीण पर्यटन से उन्हें शांत एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण मिल रहा है। जिससे उनको सेहत और मानसिक शांति प्राप्त हो रही है।

टूरिस्ट विलेज

भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय की ओर से हाल ही में देवमाली गाँव जो राजस्थान के ब्यावर जिले के मसूदा उपखण्ड मुख्यालय से करीव 6 किलोमीटर दूर स्थित है, को टूरिस्ट विलेज घोषित किया है। पर्यटन मंत्रालय की ओर से देवमाली गाँव की संस्कृति से. पर्यटको को अवगत कराने के लिए यह योजना बनायी है। यह गाँव कच्चे घरों का गाँव है यहां जिनकी संख्या लगभग 300 से अधिक है। छप्पर, दीवारे भी कच्ची है। ग्रामीण संस्कृति की ऐसी झलक कहीं देखने को नहीं मिलती सम्पूर्ण गांव आज भी शाहाकारी है। यहां स्कुलों को शिक्षा का मंदिर कहा जाता है। यहां अनेक हिन्दी फिल्मों की शूटिंग भी हुई है।

नया पर्यटन हव खंडेला

अब सैर–सपाटे और आउटिंग के मायने भी समय के साथ बदल रहे हैं।राजस्थान के अलवर, सवाई माधोपुर, अजमेर, जयपुर, शेखावाटी इत्यादिप्रसिद्ध पर्यटन स्थलों सहित जिलों के ग्रामीण पर्यटन के प्रति रुझान बढ़, रहा है। पिछले वर्ष 4 लाख 76 हजार पर्यटक खंडेला पहुंचे थे इस वर्ष अबतक कुल 2.2 लाख पर्यटक आ चुके है। शेखावाटी में पिछले तीन साल में फ्रांस जर्मनी, आस्ट्रेलिया, रुससहित कई देशों के पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले एक साल में इन विदेशीदेशों के 30 से अधिक दल यहां की ग्रामीण संस्कृति सीखने के लिए पहुंचे। विदेशी पर्यटकों का कहना है कि ग्रामीण भ्रमण से गाँवों की संस्कृति, रीति–रिवाज, परम्पराओं को सीखने का मौका मिलता है।

मेलजोल बढ़ाती ग्रामीण संस्कृति

विदेशी पर्यटकों के बढ़ते रुझान की वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में देशी अंदाज वाले रिसोर्ट तैयार हो रहे है। विदेशी पर्यटकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि ग्रामीणों का रहन–सहन और संस्कृति ऐसी है कि आपसी मेलजोल स्वतः ही बढता है। उन्होंने शहरी संस्कृति के मुकाबले ग्रामीण संस्कृति को बेहतर बताया है।

महिलाओं की पहली पंसद कुकिंग

कई देशों की महिला पर्यटकों में से 55 फीसदी से अधिक ने यहां के विलेजों से देशी खाना बनाने की कला सीखी है। वहीं पुरुषों ने खेती, ग्रामीण जीवन एवं अर्थव्यवस्था को समझने परजोर दिया है।

ग्रामीण पर्यटन के, उद्देश्य

- राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति, खान–पान और पुरानी परम्पराओं के बारे में जानने हेतु।
- विलेज टूरिज्म के माध्यम से ग्रामीण देशी खाना बनाने की कला को सीखने की जिज्ञासा।
- ग्रामीणों के जीवन स्तर, खेती एवं अर्थव्यवस्था के बारे में जानना।
- शहर के शोर–शराबे और प्रदूषण से दूर रहने से उनका स्वास्थ्य बेहतर रहता है। जिससे उनको मानसिक शांति प्राप्त हो सके।
- ऑक्सीजोन पर साफ–सुधरी हवा व शांत वातावरण प्राप्त करने के लिए

साहित्य की सभीक्षा

ग्रामीण पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ता उद्योग है। संसार के विभिन्न देशों को आर्थिक वृद्धि में पर्यटन की बहुत बड़ी भूमिका है। साहित्य की समीक्षा में सामाजिक–आर्थिक प्रभाव के साथ–साथ राजस्थान की अर्थव्यवस्था मे पर्यटन का महत्त्वपूर्ण योगदान है। यह अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने वाला सबसे बड़ा उद्योग है। आज शहरी पर्यटन के साथ–साथ ग्रामीण पर्यटन से भी स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को आर्थिक स्थायित्व प्राप्त हो रहा है साथ ही ग्रामीण एवं लघु कुटीर उद्योगों द्वारानिर्मित उत्पादों की मांग में भी वृद्धि हो रही है जिससे स्थानीय उद्यमिता के अवसर भी उत्पन्न हो रहे है। विभिन्न शोधों से ज्ञात हुआ है कि शहरों में पर्यटन के लिए आने वाले पर्यटक अब टूरिज्म विलेज को भी प्राथमिकता दे रहे हैं। और विभिन्न शहरों के प्रसिद्ध ग्रामीण–स्थलों जैसे जयपुर के शाहपुरा, कानोता अचरोल,हलीला–बिशनगढ, चाकसू, माधोगढ़, दूदू, फागी अजमेर के ब्यावर जिले के देवमाली गाँच सीकर के खंडेला गाँव, शेखावाटी के खाटूश्यामजी, जीणमाता, शाकम्भरी, हर्ष इत्यादि मंदिरों एवं फतेहपुर जैसे प्रसिद्ध ग्रामीण स्थलों पर घूमेन आ रहे है।

आंकड़ों में ग्रामीण पर्यटन

अब पर्यटको के घूमने और सैर सपाटे के मायने समय के साथ–साथ बदल रहे है। कई जिलों मे अब ग्रामीण पर्यटन बढ रहा है पिछले कुछ वर्षों में फ्रांस, जापान, रूस, आस्ट्रेलिया, अमेरिका, बिट्रेन इत्यादि 30 से अधिक देशों के पर्यटक दलों के रूप में राजस्थान के जयपुर, अलवर, सीकर, सपाईमाधोपुर, के जिलों में प्रसिद्ध ग्रामीण पर्यटन स्थलों का अवलोकन करने हेतु पहुँचे।

पर्यटन की पसंद बताते आंकडे

स्थान	**संस्था**
खाटूश्यामजी मंदिर	144 करोड़
जीणमाता मंदिर	634,500
शाकबंरी	359,000
हर्ष	355,004
फतेहपुर	333,000
खंडेला	202,314

लक्ष्मणगढ़	29,860
रामगढ़,	4,750

ग्रामीण पर्यटन की ओर आकर्षण क्यों

अब पर्यटक राजस्थान में शहरी पर्यटन स्थलों के साथ–साथ ग्रामीण पर्यटन स्थलों को भी अपने टूर पैकेज में शामिल कर लिया है। ग्रामीण में क्षेत्रों में घूमने आने वाले विभिन्न पर्यटन दलों से ग्रामीण पर्यटन स्थलों की ओर रुझान के कारणों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहां कि ग्रामीण पर्यटन से सेहत अच्छी रहती है साथ ही स्वच्छ वातावरण मिलता है जिससे उन्हें मानसिक शांति प्राप्त होती ही है। महिलाएं ग्रामीण संस्कृति, रीति–रिवाज, परम्पराओं, वेशभूषा एवं देशी खाना बनाने की पाद्धति को जानने के लिए ग्रामीण पर्यटन को प्राथमिकता देती है। वही पुरुष ने ग्रामीण क्षेत्रों में खेती ग्रामीण जीवन, स्थानीय लोगों रहन–सहन, जीवन स्तर एवं अर्थव्यवस्था को समझने पर ज्यादा जोर देते हैं।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में ग्रामीण पर्यटन को भूमिका

पर्यटको का वर्तमान समय में प्रसिद्ध स्थलों को देखने के साथ–साथ नया रुझान स्वास्थ्य और शांति की और बह रहा है। विहले दो वर्षों में देखने में आया है कि, राजस्थान घूमने आने वाला पर्यटक अब शहरी पर्यटन स्थलों के साथ–साथ ग्रामीण पर्यटन स्थलों की सैर करने लगा है। जिससे अर्थव्यवस्था को गति प्रदान हो रही है। स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है साथ ही निम्नलिखित भूमिका भी ग्रामीण पर्यटन की अर्थव्यवस्था को मिल रही है।

- ग्रामीण पर्यटन की एक नई दिशा मिलने से स्थानीय लोगों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं।
- ग्रामीण पर्यटन से पर्यटन उद्योग को गति मिल रही है।
- स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है।
- लघु एवं कुटीर उद्योगों के साथ हस्तकरघा उद्योगों के उत्पादों की मांग बढ़ रही है।
- विदेशी मुद्रा अर्जन में सहयोग बढ़ रहा है।
- ग्रामीण संस्कृति, रीति–रिवाज परम्पराओं में सहयोग एव्र ग्रामीण परिवेश को समझने में सहयोग।
- ग्रामीण परिवेशों के रहन–सहन, संस्कृती, खान–पान, सौहार्दपूर्ण माहौल को बढ़ाने में सहयोग।
- होटल, परिवहन उद्योगों की आय वृद्धि में सहयोग ।
- प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि करने में सहयोग।
- ग्रामीण पर्यटन अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में सहयोग देता है एवं आर्थिक स्थायित्त्व बनाये रखता है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. राजस्थान पत्रिका अक्टूम्बर 2024
2. राजस्थान की अर्थव्यवस्था लक्ष्मी नारायण नाथुरामका
3. सांस्कृतिक पर्यटन राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी व्यास राजेश कुमार
4. पर्यटन नीति राजस्थान 2023–2024
5. राजस्थान आर्थिक समीक्षा 2023–2024
6. शर्मा अतुल आर्थिक विकास में पर्यटन का योगदान
7. Tourism Planning and word inshkeep
8. Socioecomic Impact of tourism inshkseep
9. राजस्थान पर्यटन वार्षिक रिपीट 2023–2024
10. प्रगति प्रतिवेदन (2023–2024) पर्यटन विभाग राजस्थान

❖◆❖